पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

नमामि गंगे कार्यक्रम प्रधानमंत्री जी का ड्रीम प्रोजेक्ट, राज्य सरकार इसकी सफलता के लिए सारे प्रयास कर रही है : मुख्यमंत्री

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ स्वच्छ भारत मिशन तथा नमामि गंगे कार्यक्रम के सम्बन्ध में हुई बैठक अत्यन्त सकारात्मक रही : मुख्यमंत्री

स्वच्छ भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन के चलते प्रयागराज कुम्भ के दौरान निर्मल और स्वच्छ जल अविरलता के साथ श्रद्धालुओं को उपलब्ध रहा, जो एक बड़ी सफलता

कुम्भ ने स्वच्छता का संदेश दिया

नमामि गंगे के तहत चल रही परियोजनाओं की नई टाइम लाइन निर्धारित

गंगा की स्वच्छता के लिए कार्ययोजना बनाकर इसे समयबद्धता के साथ लागू किया जाएगा

15 अगस्त, 2019 को प्रदेश में 22 करोड़ पौध रोपित करने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री द्वारा देश में 'हर घर जल' योजना लागू करने के निर्देशों के क्रियान्वयन की दिशा में राज्य सरकार गम्भीरता से कार्य कर रही है

पाइप्ड वॉटर सप्लाई परियोजना की सफलता में उ0प्र0 कीर्तिमान स्थापित करेगा : केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री

लखनऊ : 03 जुलाई, 2019

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। राज्य सरकार इसकी सफलता के लिए सारे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश में 11,952 करोड़ रुपये की 85 परियोजनाएं प्रदेश में संचालित हो रही हैं। इनमें 50 परियोजनाएं सीवरेज से सम्बन्धित हैं, जिनकी सम्मिलित लागत 10,263 करोड़ रुपये है। इनमें से 15 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जिससे 275 एम0एल0डी0 सीवरेज ट्रीटमेंट की क्षमता उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री जी ने आज यहां लोक भवन में आयोजित एक प्रेस–वार्ता के दौरान यह विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ आज स्वच्छ भारत मिशन तथा नमामि गंगे कार्यक्रम के सम्बन्ध में हुई बैठक अत्यन्त सकारात्मक रही।

प्रयागराज कुम्भ–2019 का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन के चलते कुम्भ के दौरान निर्मल और स्वच्छ जल अविरलता के साथ श्रद्धालुओं को उपलब्ध रहा, जो एक बड़ी सफलता है। कुम्भ ने स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री के साथ नमामि गंगे कार्यक्रम से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि गंगा जी की स्वच्छता के दृष्टिगत पूरे प्रदेश में विभिन्न जनपदों में एस0टी0पी0 निर्मित किये जा रहे हैं। साथ ही, स्वच्छता के दृष्टिगत नई तकनीकी का भी प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे के तहत चल रही परियोजनाओं की नई टाइम लाइन निर्धारित की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गंगा जी प्रदेश में लगभग एक हजार किलोमीटर की दूरी तय करती हैं। गंगा जी की स्वच्छता के प्रति उत्तर प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी बनती है। गंगा की स्वच्छता के लिए कार्ययोजना बनाकर इसे समयबद्धता के साथ लागू किया जाएगा। गंगा जी को समयबद्धता के साथ निर्मल और अविरल बनाया जाएगा। इसके लिए जिला गंगा कमेटियों का गठन किया जा चुका है और इनकी नियमित बैठकों के भी निर्देश दिये गये हैं। गंगा जी के किनारे स्थित 25 जनपदों के 1605 गांवों को पहले ही ओ0डी0एफ0 किया जा चुका है। अब राज्य सरकार सभी गांवों को ओ0डी0एफ0 प्लस बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने गंगा जी तथा उसकी सहायक नदियों जैसे राप्ती, यमुना, रामगंगा, गोमती आदि के किनारों पर वृहद वृक्षारोपण की आवश्यकता पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वन विभाग द्वारा 26 करोड़ पौध तैयार की जा चुकी है, जबकि अन्य नर्सरियों में भी पौध उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में इस वक्त 35 करोड़ पौध उपलब्ध हैं। आगामी 15 अगस्त, 2019 को पूरे प्रदेश में 22 करोड़ पौध रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका सकारात्मक प्रभाव पर्यावरण तथा नमामि गंगे कार्यक्रम पर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश वेटलैण्ड अथॉरिटी स्थापित करने वाला पहला राज्य बन गया है। यह अथॉरिटी गंगा जी की अविरलता सुनिश्चित करेगी।

जल संरक्षण के विषय में मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा पंचायतों को पत्र लिखकर जल संरक्षण के लिए जल शक्ति अभियान को लागू करने के लिए कहा गया है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार पहले से ही रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल दे रही है। नक्शा पास करने के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया गया है। भू–गर्भ जल को रिचार्ज किया जाना अत्यन्त

आवश्यक है। साथ ही, घरों से निकलने वाले दूषित जल को साफ कर उसके पुनः प्रयोग की भी आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जल संरक्षण के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष 6 नदियों का पुनरुद्धार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी द्वारा पूरे देश में 'हर घर जल' योजना लागू करने के निर्देश दिये गये हैं। राज्य सरकार इस पर गम्भीरता से कार्य कर रही है। बुन्देलखण्ड के हर गांव में पाइप्ड पेयजल पहुंचाने की कार्यवाही की जा रही है। इस योजना का सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा। यह योजना बुन्देलखण्ड से शुरू होगी। इसके अलावा, विंध्य क्षेत्र के सोनभद्र और मिर्जापुर के जनपदों के हर गांव में पाइप्ड वॉटर सप्लाई दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जे0ई0 तथा अन्य वेक्टर जनित बीमारियों से प्रभावित जनपदों के साथ–साथ आर्सेनिक तथा फ्लोराइड से प्रभावित जनपदों में पाइप्ड वॉटर सप्लाई लागू की जाएगी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के सम्बन्ध में कहा कि बेस लाइन सर्वे के आधार पर निर्धारित शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। बेस लाइन के अतिरिक्त शौचालयों का भी निर्माण कराया जा रहा है। इस योजना से वेक्टर जनित बीमारियों से काफी राहत मिलेगी। स्वच्छ भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से इन बीमारियों में 35 प्रतिशत की कमी आयी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से राज्य को पूरा सहयोग मिल रहा है।

प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत उत्तर प्रदेश ने उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाइप्ड वॉटर सप्लाई परियोजना की सफलता में भी उत्तर प्रदेश कीर्तिमान स्थापित करेगा। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चल रही परियोजनाओं की दिक्कतों को शीघ्र दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी से आज की बैठक के दौरान नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा नदी की सफाई तथा विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों के प्रबन्धन पर विस्तार से चर्चा हुई। जल संरक्षण पर भी विस्तृत बातचीत हुई। उन्होंने जल संरक्षण को जनान्दोलन बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने इसे जनान्दोलन बनाने में मीडिया से भी सहयोग का अनुरोध किया।

———————

PN-CM-Press Conference-Jal Shakti-Namami Gange-03 July, 2019